[] अ नु क्र म णि का []

::: प्राक्कथन :::

पृष्ठ क्रमांक

[१] प्रथम अध्याय :- "श्री जगन्नाथप्रसाद मिलिन्द" : 13 - 34
व्यक्तित्व एवं कृतित्व -

[A] व्यक्तित्व - परिचय :-

[१] वंश परिचय - वंशावली, [२] जन्मतिथि - जन्मस्थान तथा निवास, [३] बचपन,
[४] पारिवारिक जीवन, [५] खानपान-पहनावा एवं देश प्रेम की भावना का उद्भव, [६] शिक्षा-दीक्षा- [अ] प्राथमिक, [आ] हाईस्कूल, [इ] महाविद्यालयीन,
[७] उपनाम का रहस्य, [८] पुस्तक प्रेमी, [९] स्वाभिमानी रचनाकार, [१०] साहित्यिक-सांस्कृतिक प्रेरणा एवं इतिहास प्रेम, [११] बहुआयामी व्यक्तित्व, [१२] मृत्यु.

[B] कृतित्व :-

[अ] शैक्षिक कार्य, [आ] पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य,
[इ] राजनीतिक क्षेत्र में कार्य, [ई] साहित्यिक क्षेत्र में कार्य-
[क] मिलिन्दजी का काव्य ग्रंथ :
[अ] जीवनसंगीत, [आ] नवयुग के गान, [इ] बलिपथ के गीत, [ई] भूमि की अनुभूति, [उ] मुक्ति के स्वर,
[ऊ] नई किरण, [ऐ] पूर्णा, [ऐ] अंतिमा.
[२] मिलिन्दजी के खण्डकाव्य :-
[अ] स्वतंत्रता की बलिवेदी, [आ] मृत्युंजय मानव "गणेश", [इ] वीरांगना लक्ष्मीबाई का बलिदान
[ख] मिलिन्दजी का नाट्य साहित्य :-
[अ] प्रताप प्रतिज्ञा, [आ] शहीद को समर्पण, [इ] त्यागवीर गौतम नंद, [ई] अशोक की अमर आशा,
[उ] क्रान्तिवीर चन्द्रशेखर, [ऊ] जयजनतंत्र.

[ग] मिलिन्दजी का कहानी साहित्य :-

[अ] बिल्लोका नकछेदन

[घ] मिलिन्दजी का निबन्धसंग्रह :-

[अ] चिंतनकण, [आ] सांस्कृतिक प्रश्न

[ङ] मिलिन्दजी का संस्मरण साहित्य :-

[अ] महापुरुषों के संस्मरण

[च] मिलिन्दजी का उपन्यास साहित्य :-

[अ] क्रान्तिवीर तात्या टोपे

[C] सम्मान, पुरस्कार एवं अभिनंदन :-

[१] सम्मान, [२] पुरस्कार, [३] अभिनंदन.

[२] द्वितीय अध्याय :- "क्रान्तिवीर तात्या टोपे" उपन्यास के तत्वों का अनुशीलन"- 35-86

[A] कथावस्तु :-

[अ] उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताएँ -

[१] क्रमबध्दता एवं सुगठन, [२] कुतूहल और रोचकता, [३] प्रबन्ध कौशल्य, [४] मौलिकता, [५] घटनात्मक सत्यता, [६] भाषा की विशेषताएँ, [७] पात्रों की मानसिकता, [८] भौगोलिक परिवेश, [९] जीवनानुभूति.

[B] पात्र एवं चरित्र-चित्रण :-

[अ] चरित्र-चित्रण की प्रणालियाँ :-

[१] वर्णनात्मक प्रणाली, [२] विश्लेषणात्मक प्रणाली, [३] नाटकीय प्रणाली.

[आ] चरित्र-चित्रण की विशेषताएँ

[क] उपन्यास में चित्रित प्रमुख पात्र,

[ख] गौण पात्र,

[ग] नारी पात्र,

[घ] चरित्र-चित्रण की विशेषताएँ

[C] कथोपकथन / संवाद :-

[१] कथोपकथन या संवाद की विशेषताएँ :-

[अ] चारित्रिक विशेषताओं को प्रकाशित करनेवाले संवाद,

[आ] मनोभावों को व्यक्त करनेवाले संवाद,

[इ] अपनत्व की भावनावाले संवाद,

[ई] वातावरण निर्मिति करनेवाले संवाद,

[उ] पात्रानुकूल संवाद,

[ऊ] प्रसंगानुकूल संवाद,

[D] देशकाल - वातावरण :-

[१] राजनीतिक परिस्थिती, [२] सामाजिक परिस्थिती,
[३] धार्मिक परिस्थिती, [४] सांस्कृतिक उत्सव,

[E] भाषा :-

[F] शैली :-

[G] शीर्षक :-

[H] उद्देश्य :-

[३] तृतीय अध्याय :- "क्रान्तिवीर तात्या टोपे" उपन्यास में ऐतिहासिकता - 87-110

[A] उपन्यास से लाभ

[B] उपन्यास की परिभाषा

[C] उपन्यास की विकास यात्रा

[D] उपन्यास का वर्गीकरण

[E] इतिहास और उपन्यास मे अंतर

[F] इतिहास और ऐतिहासिक उपन्यास

[G] ऐतिहास उपन्यास की विशेषताएँ एवं परिभाषा :-

[१] विषयवस्तु का आधार इतिहास, [२] युगीन पृष्ठभूमि और वातावरण का चित्रण, [३] इतिहास और वर्तमान का सम्बन्ध, [४] यथार्थ और कल्पना का समन्वय, [५] ऐतिहासिक पात्रों का चित्रण, -चरित्र-चित्रण में यथार्थ और कल्पना का समन्वय, [६] ऐतिहासिक उपन्यास का सम्बंध अतीत की घटना, पात्रों, प्रसगों से होता है, [७] ऐतिहासिक पात्रो, घटनाओं, तिथियों को आधार बनाया जाता है,

[H] युगीन पृष्ठभूमि :-

[१] अंग्रेजी राज्य स्थापना की पृष्ठभूमि, [२] सन् १९५७ ई. के स्वाधीनता संग्राम के कारण :

[अ] राजनैतिक कारण, [आ] आर्थिक कारण, [इ] सामाजिक कारण, [ई] धार्मिक कारण, [उ] सैनिक कारण,

[ऊ] अफवाहें [ऐ] सन् १९५७ ई. के संघर्ष की असफलता के कारण.

[I] "क्रांतिवीर तात्या टोपे" उपन्यास की ऐतिहासिकता :-

[१] विषयवस्तु का आधार इतिहास, [२] इतिहास और वर्तमान का समन्वय, [३] यथार्थ और कल्पना का समन्वय,

[४] उपन्यास में ऐतिहासिक पात्र, [५] उपन्यास में ऐतिहासिक घटना, [६] उपन्यास में ऐतिहासिक तिथियाँ, [७] उपन्यास में ऐतिहासिक घटना स्थल।

[४] चतुर्थ अध्याय :- "क्रांतिवीर तात्या टोपे" उपन्यास में राष्ट्रीयता :- 111-140

[A] कोशीय अर्थ :-

[B] विद्वानों द्वारा दिया हुआ अर्थ एवं पारिभाषाएँ :-

[C] राष्ट्र का स्वरूप :-

[D] राष्ट्र और राष्ट्रीयता :-

[E] राष्ट्र और राज्य सम्बन्ध :-

[F] राष्ट्रीय चेतना का इतिहास :-

[१] वैदिक युग में राष्ट्रीय चेतना, [२] उपनिषदों एवं ब्राम्हण ग्रंथ काल में राष्ट्रीय चेतना,
[३] आदिकालीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना,
[४] मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना,
[५] आधुनिक युग में राष्ट्रीय चेतना

[G] "क्रान्तिवीर तात्या टोपे" उपन्यास में अभिव्यक्त राष्ट्रीयता :-

[१] स्वदेश गौरव एवं राष्ट्रभक्ति,
[२] अतीत का गौरवगान,
[३] नवजागरण का उद्बोधन - [अ] उद्बोधन का आवाहन,
[आ] देश की स्वर्णिम भविष्य,
[इ] क्रांति की भावना,
[ई] बलिदान की भावना,
[४] इतिहास प्रेम,
[५] संस्कृति प्रेम,
[६] स्वतंत्रता संघर्ष,
[७] जातीय एकता और भौगोलिक एकता की भावना,
[८] मानवतावाद.

[५] पंचम अध्याय :- उपसंहार 141 - 144

संदर्भ ग्रंथ सूची। 145 - 150

पहला अध्याय

"श्री जगन्नाथप्रसाद मिलिन्द : व्यक्तित्व एवं कृतित्व"